

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 427] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 23, 1972/आश्विन 1, 1894

No. 427] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 23, 1972/ASVINA 1, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

ORDER

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 23rd September 1972

S.O. 623(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Imports (Control) Order, 1955, namely:—

1. This Order may be called the Imports (Control) Fifth Amendment Order, 1972.
2. In clause 3 of the Imports (Control) Order, 1955, after sub-clause (2), the following sub-clause shall be inserted, namely:—

“(3) If in any case, it is found that the goods imported under a licence do not conform in every respect,—

- (i) to the description or value of the goods as contained in the licence; or
- (ii) to the other conditions relating to such goods, as contained in, or applicable to, the licence,

the import of such goods shall be deemed to be prohibited.”

[No. 10/72.]

M. M. SEN,

Chief Controller of Imports & Exports.

विदेश व्यापार मंत्रालय

आदेश

आयात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1972

एस० ओ० 623(अ).--आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 में और आगे संशोधन करने के लिये एतद्वारा निम्नलिखित आदेश का निर्माण करती है, अर्थात् :—

1. इस आदेश को आयात (नियंत्रण) संशोधन आदेश, 1972 की संज्ञा दी जाए ।

2. आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 के अनुच्छेद 3 में उप-अनुच्छेद (2) के बाद निम्नलिखित उप-अनुच्छेद को शामिल किया जाएगा, अर्थात् :—

“(3) यदि किसी मामले में, यह पाया जाता है कि लाइसेंस के अन्तर्गत आयात किये जाने वाले माल की पुष्टि निम्नलिखित में हर तरह से नहीं की जाती है :—

(1) लाइसेंस में यथा निहित माल के व्योरे या मूल्य की, या

(2) ऐसे माल से सम्बन्धित शर्तों की जो लाइसेंस में निहित है या उसमें लागू होने योग्य है तो ऐसे माल के आयात को निषिद्ध समझा जाएगा ।

[संख्या 10/72]

एम० एम० सेन,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात ।